भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3007

जिसका उत्तर 11 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

.....

जीरो भूजल शहर

3007. श्री एस वेंकटेशन:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत में कई शहरों में जल्द ही जीरो भूजल होगा; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा तमिलनाडु में भूजल संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) विभिन्न प्रयोजनों के लिए स्वच्छ जल की बढ़ती मांग, वर्षा में विविधता, अधिक आबादी, औद्योगिकीकरण और शहरीकरण आदि के चलते भूमि जल की लगातार निकासी के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में भूमिजल स्तर कम हो रहा है।

नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट "समग्र जल प्रबंधन सूचकांक" (जून 2018) में उल्लेख किया है कि 2020 तक 21 बड़े शहरों में भूमिजल समाप्त होने की संभावना है। यह वार्षिक भूजल पुनर्भरण और निकासी के अनुमानों पर आधारित है। हालांकि, इसमें गहरे जलभृतों में भूजल उपलब्धता को ध्यान में नहीं रखा गया है।

(ख) जल, राज्य का विषय होने के नाते, गुणवत्ता मुद्दों सहित भूमि जल संरक्षण और प्रबंधन के लिए प्रयास करना प्राथमिक रूप से राज्यों का दायित्व है। अन्य प्रयासों में, तमिलनाडु सरकार ने स्थानीय समुदायों द्वारा जल निकायों के निर्माण और रख-रखाव के लिए 'कुडीमारमथ' नामक जल स्कीम शुरू की है।

माननीय प्रधान मंत्री ने जल संरक्षण और संचयन के महत्व के विषय में सभी सरपंचों को दिनांक 08.06.2019 को एक पत्र लिखा और उनसे आहवान किया है कि वे जल संरक्षण को एक जल आन्दोलन बनाने के लिए सभी उपयुक्त उपाय अपनाए।

भारत सरकार ने जल शक्ति अभियान शुरू किया है जो मिशन मोड में चारधारा के साथ एक समयबद्ध अभियान है, जिसका उद्देश्य भूमिजल स्थिति सहित जल की कमी वाले ब्लॉकों में जल उपलब्धता में सुधार करना है।

केंद्र सरकार द्वारा भूमि जल में कमी को नियंत्रित करने के लिए किए गए अन्य उपाय निम्नलिखित यूआरएल पर उपलब्ध हैं-

http://mowr.gov.in/sites/default/files/Steps_to_control_water_depletion_Jun2019.pdf

*****